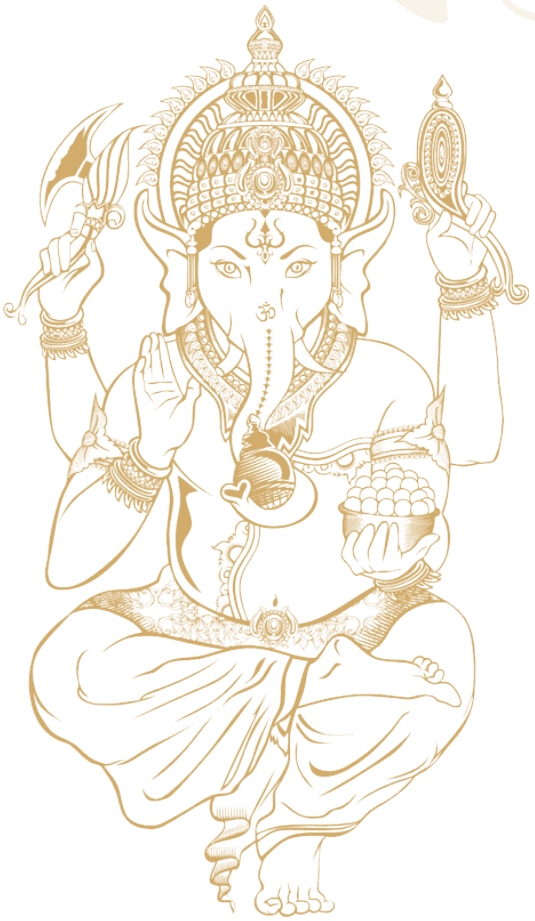

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119710302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/10/2025	जन्म तिथि	09/10/2025
गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 10:42:00	जन्म समय	10:42:00 घंटे
घटी 10:58:25	जन्म समय(घटी)	10:58:25 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:18:38	सूर्योदय	06:18:38
17:57:46	सूर्यास्त	17:57:46
24:13:04	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:04

विंशोत्तरी शुक्र 8वर्ष 9मा 3दि शुक्र 09/10/2025 14/07/2034		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शुक्र 8वर्ष 9मा 3दि शुक्र 09/10/2025 14/07/2034
	00/00/0000	17:41:36	वृश्चि	लग्न	वृश्चि	17:41:36	00/00/0000
	00/00/0000	21:57:18	कन्या	सूर्य	कन्या	21:57:18	00/00/0000
	00/00/0000	20:49:35	मेष	चंद्र	मेष	20:49:35	00/00/0000
	00/00/0000	17:16:31	तुला	मंगल	तुला	17:16:31	00/00/0000
	00/00/0000	09:32:38	तुला	बुध	तुला	09:32:38	00/00/0000
	00/00/0000	29:09:56	मिथु	गुरु	मिथु	29:09:56	00/00/0000
	00/00/0000	29:59:38	सिंह	शुक्र	सिंह	29:59:38	00/00/0000
	00/00/0000	02:56:10	मीन व	शनि व	मीन	02:56:10	00/00/0000
	09/10/2025	23:53:52	कुंभ व	राहु व	कुंभ	23:53:52	09/10/2025
गुरु	14/05/2027	23:53:52	सिंह व	केतु व	सिंह	23:53:52	गुरु 14/05/2027
शनि	14/07/2030	06:48:07	वृष व	हर्ष व	वृष	06:48:07	शनि 14/07/2030
बुध	14/05/2033	06:06:43	मीन व	नेप व	मीन	06:06:43	बुध 14/05/2033
केतु	14/07/2034	07:09:17	मक व	प्लूटो व	मक	07:09:17	केतु 14/07/2034

लग्न-चलित

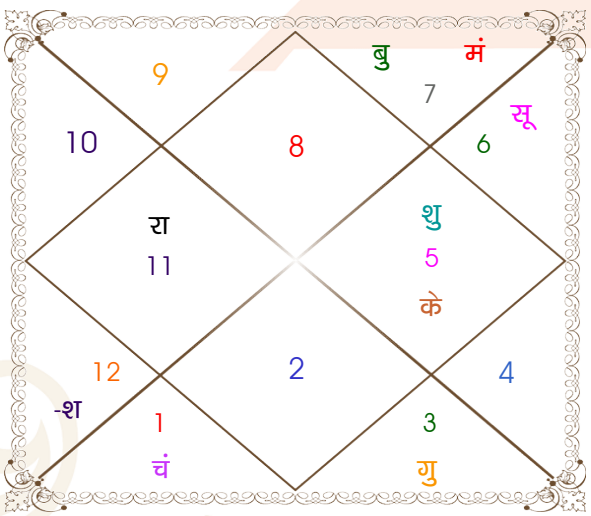

लग्न-चलित

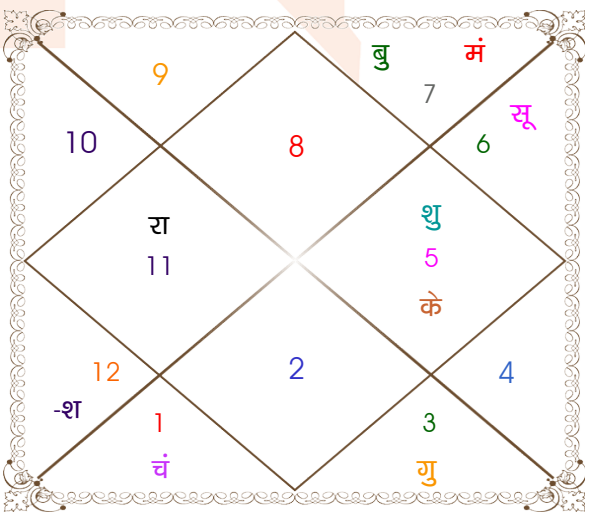

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	गज	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।